B.A. S.Y. (CBCS Pattern) Semester-IV

BA12B-3 - Hindi Literature

P. Pages : 3 | **GUG/W/24/12067**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

* 4 8 0 5 *

सुचना :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। **20**

अ) "राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज "खुद सुधरों और महात्मा बनों" और संसार में सुख का मूलमंत्र" इन पदों में क्या संदेश देते हैं?

अथवा

ब) "दुनिया में कुछ कर दिखाओ" और "सत्कर्म करो" इन पदों में व्यक्त राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित समूहों में से **किसी एक** ही समूह के सभी पंक्तियों की संदर्भ-सहित व्याख्या किजिए। **20**

समूह - अ

1) सबके धरम ही धर्म है, पर कर्म सच्चे हो गये।
किसी के धरम में शक्ति नहीं, जब कर्म जैसे कर गये॥
अरे। धर्म तो कर्तव्य है, सब विश्व को धारण करे।
जिसकी कुवत जैसी रही, यह कर दिखावे हर तऱ्हे॥

2) यह धर्म राजा का नहीं, शत्रु से करना मित्रता।
टक्कर से टक्कर भेजना, शासक की है आदर्शता॥
जो शत्रु पे करता दया, उसकी प्रजा दु:खी रहे।
सच्ची दया तो है यही, न शत्रुता बाकी रहे॥

3) अब होयगा फिर होयगा, यह कौन सुनता है भला?
जो होयगा अब ही करो, करने की गर होगी कला॥
मुरदा बनोगें आलसी होकर, यहाँ तब तुम नहीं।
करके दिखावेगा कोई, बस जिंदगी उसकी रही॥

4) इन्सान ही है देवता, जो सत्य पथ पर चला गया।
इन्सान ही साधू बने, जब संयमी मन को किया॥
इन्सान ही वह वीर है, जो ना करे अन्याय को।
इन्सान वह इन्सान है, जो खोजता सदुपाय को॥

अथवा

समूह - ब

5) छात्रों जरा तो सोच लो, परदेश के न दास हो।
जो कुछ करो, 'भारत हमारा', मानकर उन्नत करो॥
सब विश्व के भी वाद का भारत ही मूलाधार है।
पढ़ लो जरा अध्यात्म में, होंगे नही बेजार हम॥

6) सेवक को सुख मिलता नहीं, कभु ना भिखारी मानले।
व्यसनी न हो धनवान, व्यभिचारी को शुभगति ना मिले॥
लोभी को यश मिलता नहीं, अग्यानि को कीर्ति कहाँ।
नहिं अततायी बच सके, भोगी को सुखशांती कहाँ॥

7) गंगा ही मुख से बोलता, पर स्नान तो करता नहिं।
व्याख्यान देता 'सत्य' का, पर कुछ भी आचरता नहीं॥
कहने से 'लड्डू' क्या बनेगा? मुख में अब गिरता नहीं।
लढ़ता नहीं जो शत्रु से, वह 'वीर' क्यों बोले कोई॥

8) सब बात लेकर के पुरानी, काम यहाँ पर लाओगे।
इस आज के बदले जमाने को, कहाँ सिखलाओगे?
सब मृत्यु बदले पाप के और पुण्य के, गुणधर्म के।
सिध्दांत है 'जिओ जिलाओ' साथि हो इस वर्म के॥

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **15**

1) भक्तिकाल का आशय स्पष्ट करते हूये उसकी पृष्ठभूमि लिखिए।

2) कृष्णभक्ति काव्य की विशषताएँ कौनसी है?

3) "कबीरदास क्रांतिकारी कवि है"। इस आधार पर उनके काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

4) सगुण काव्य की धारा राम काव्य की विशषतायें लिखिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी भी तीन** प्रश्नो के उत्तर लिखिए। **15**

1) चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' का साहित्यिक परिचय दीजिए।

2) संत गाडगेबाबा का परिचय दीजिए।

3) 'महादेवी वर्मा' करूण रस की साहित्यकारा है। इस आधार पर उनका जीवन परिचय लिखिए।

4) माखनलाल चतुर्वेदी का साहित्यीक योगदान स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **10**

1) आदमी का सबसे बड़ा मित्र राष्टसंत तुकडोजी महाराज किसे मानते हैं?

2) 'कवि ऐसा क्यों कहते है कि "दुनिया मेरी मत बोल"।

3) अज्ञेयजी का पूरा नाम क्या है? और वे किस काल का प्रतिनिधित्व करते हैं?

4) सूफी काव्य के प्रमुख साहित्यकारों के नाम लिखिए।

5) तुलसीदासजी के पत्नी का क्या नाम था?

****